



एक नजर

प्रकाश आधारित तकनीक से सुधर
सकती अर्थव्यवस्था भी



सीएसजेएमयू में आयोजित सेमिनार में
कुलपति प्रो. जेवी वैशम्पायन को स्मृति
चिह्न भेंट करते विवेक त्रिवेदी।

भौतिक विज्ञान के प्रकाश आधारित सिद्धांतों का जीवन से गहरा नाता है। सुबह-शाम आसमान का लाला दिखना, पानी का नीला दिखना व चार रंगों की सहायता से अनेक रंग बनाए जाने का सिद्धांत हर किसी को प्रभावित करता है। यह बातें आईआईटी के प्रोफेसर एचसी वर्मा ने सीएसजेएम विश्वविद्यालय में श्री शक्ति डिग्री कालेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में कहीं। विश्वविद्यालय परिसर में 'द रोल ऑफ लाइट एंड लाइट बेस्ड टेक्नोलॉजीस फार रूरल डेवलपमेंट एंड प्रोवाइडिंग बेटर लाइफ टू रूरल कम्युनिटीज' विषय पर आयोजित सेमिनार में उन्होंने कहा कि जो सर्जरी पहले मुश्किल हुआ करती थी उन्हें आप्टिकल फाइबर ने आसान बना दिया है। फोको विधि से आंख का आपरेशन लेजर तकनीकी के प्रयोग से संभव हुआ है। इस मौके पर कुलपति प्रोफेसर जेवी वैशम्पायन ने प्रकाश व प्रकाश आधारित तकनीकी से ग्रामीणों के जीवन को सुखद बनाने के साथ अर्थव्यवस्था को भी सुधारा जा सकता है। इस मौके पर आयोजक कालेज के संस्थापक विनय त्रिवेदी के अलावा लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रो. ऊषा बाजपेई समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

इंसान को प्रकाश सरीखा होना चाहिए...

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

विज्ञान का सिद्धांत है कि प्रकाश सीधी रेखा में चलता है। यह सिद्धांत जीवन पर भी लागू करना चाहिए। इंसान को प्रकाश की तरह व्यवहार करना चाहिए। यह विचार शनिवार को सीएसजेएमयू के कुलसचिव जेवी वैशम्पायन ने रखे। प्रकाश और प्रकाश आधारित तकनीकी का प्रयोग कर ग्रामीण भारत का विकास विषय पर शनिवार को सीएसजेएम विश्वविद्यालय में सेमिनार हुआ। दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन श्री शक्ति महाविद्यालय ने विवि के इंटरनेशनल हॉल में किया।

आईआईटी के प्रोफेसर एचसी वर्मा ने कहा कि विज्ञान कक्षा में बांधने वाला विषय नहीं है, न ही इसे व्यक्ति विशेष के



सेमिनार में विचार रखते वक्ता।

बीच बांधना चाहिए। यह सर्व सामान्य जन के उपयोग और जानकारी का विषय है। खासकर प्रकाश पर तो जीवन आधारित है। प्रकाश संश्लेषण क्रिया से ही पत्तियां भोजन बनाती हैं और पौधों से हमें खाद्य सामग्री मिलती है। मेडिकल साइंस में प्रकाश का उपयोग कर इंडोस्कोपी और फेको जैसी सर्जरी से मानवजाति को लाभ हो रहा है।

ऑप्टिकल फाइबर तकनीकी से सूचना और संचार का विकास हो रहा है। इन दिनों एलईडी तकनीकी गांवों के युवाओं के लिए रोजगार का अच्छा साधन है। ऐसे ही गांवों में सौर ऊर्जा के प्रयोग से ग्रामीण युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा सकता है। प्रो. एचसी वर्मा ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन से प्रकाश आधारित सिद्धांतों को दिखाया। सुकोतो एनर्जी रिसर्च सेंटर नाईजीरिया के निदेशक डॉ. सुरेश बाजपेई ने सोलर फोटो पर चर्चा की। सेमिनार का उद्घाटन कुलपति जेवी वैशम्पायन ने किया। श्री शक्ति डिग्री कॉलेज के प्रबंधक विनय त्रिवेदी ने आभार जताया। इस मौके पर प्रो. ऊषा बाजपेई, डॉ. संजय शर्मा, प्रो. राकेश सिंह, डॉ. ओमप्रकाश आनंद, प्रो. अरविंद दीक्षित, डॉ. ब्रजेश मदीरिया मौजूद थे।

प्रकाश तकनीक के उपयोग से बेहतर होगी 'लाइफ लाइन'

सोलर सिस्टम की ट्रेनिंग, कैरीकुलम बनाया जाएगा, किचन-फूलों के वेस्ट से बनायी जा सकती है बिजली



सेमिनार को सम्बोधित करते वक्ता।

कानपुर, 13 जून। श्री शक्ति डिग्री कॉलेज, फाटमपुर की ओर से विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल गेस्ट हाउस में आयोजित दि रोल् आफ लाइट एंड लाइट बेस्ड टेक्नोलॉजिकल फार ररल डेवलपमेंट एंड प्रोवाइडिंग बेटर टू ररल कम्युनिटीज विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि सीएसजेएमयू के कुलापति प्रो. जे.बी.वेशाम्मावन ने कहा कि प्रकाश और प्रकाश आधारित तकनीक का ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर प्रयोग करके गांववासियों के जीवन को सुधर बना सकते हैं। प्रकाश के विभिन्न स्रोतों का प्रयोग कर हम देश की अर्थ व्यवस्था को सुधार संकेते। मुख्य वक्ता आईआईटी कानपुर के प्रो. एच.सी. यर्मन ने कहा कि लाइट यानि प्रकाश का प्रयोग विभिन्न स्तरों पर किया जा रहा है फिर चाहे मेडिकल हो या इण्डस्ट्री। ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से शल्य चिकित्सा काफी आसान हो गई है और

फेको विधि द्वारा आंख का आपरेशन लेजर तकनीक के प्रयोग से सम्भव हुआ। प्रकाश की तकनीक से बड़े-बड़े बांधों और इमारत की मोटी-मोटी चादरों को आसानी काटा जा सकता है। प्रकाश तकनीक का प्रयोग कर ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा का समाधान संभव है। को-ऑर्डिनेटर प्रो.रुपा बाजपेयी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में ऊर्जा का उपयोग २० प्रतिशत है जबकि शहरो में ८० प्रतिशत है तब तक शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा का सामान उपयोग नहीं होता है तब तक गांवों में विकास सम्भव नहीं होगा। आम आदमी प्रयोग में एक यूनिट बिजली बचाये तो उत्पादन में ३ यूनिट बिजली कम बनानी पड़ेगी। किचन व फूलों के वेस्ट से भी बिजली बनायी जाएगी। सोलर एनर्जी सिस्टम की ट्रेनिंग देने के साथ कैरीकुलम में शामिल होगा। प्रो. बाजपेयी ने पंखे और कुलर वाली सोलर कैप के बारे जानकारी देते हुए बताया कि कैप पहनकर किसान धूप में खेतों में काम कर सकते हैं। योगाचार्य डा. ओम प्रकाश आनंद ने सूर्य के प्रकाश के महत्व पर प्रकाश डाला और धूप से शरीर की हड्डिया मजबूत होने, त्वचा के लिए भी उपयोगी बताया है। प्रो. सुरेश बाजपेयी, डा.संजय शर्मा, प्रो. राकेश सिंह ने चिकित्सा में नैनो टेक्नोलॉजी में प्रकाश की उपयोगिता उद्योग व कृषि पर जानकारी दी। इस दौरान प्राचार्य डा. नरेंद्र मोहन, विनय त्रिवेदी, डा. बृजेश भदीरिया, आईसीटी प्रभारी विवेक त्रिवेदी, अमित बाजपेयी, डा.राजेश द्विवेदी, प्रो.अरविंद दीक्षित, प्रो. एम.एस.यादव आदि थे।

'लाइट इज लाइफ' हंड्रेड परसेंट राइट

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। लाइट इज लाइफ। मेडिकल हो या एग्रीकल्चर या इंडस्ट्री, लाइट (प्रकाश) बेहद आवश्यक है। फेको विधि द्वारा किए जाने वाला आंख का ऑपरेशन भी लेजर तकनीक की वजह से ही संभव हुआ है। प्रकाश तकनीक के प्रयोग से बड़े-बड़े बांध बनाने से लेकर इस्पात की मोटी-मोटी चादरों को काटा जा सकता है। ये बातें श्री शक्ति डिग्री कॉलेज की ओर से छत्रपति शाहू जी महाराज यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में मुख्य वक्ता और आईआईटी में भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर एचसी वर्मा ने कहीं। सेमिनार का विषय 'द रोल ऑफ लाइट एंड लाइट बेस्ड टेक्नोलॉजी फॉर रूरल डेवलपमेंट एंड प्रोवाइडिंग बेटर लाइट टू रूरल कम्युनिटीज' था। सेमिनार की शुरुआत यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. जेवी वैशंपायन ने किया।

प्रो. वर्मा ने प्रकाश आधारित सिद्धांतों को आम जीवन से जोड़कर बताया। उन्होंने बताया कि आकाश का सुबह-शाम लाल दिखना, चार रंगों की सहायता से अनगिनत रंग बनाए जाना, पानी का नीला दिखना सब प्रकाश की वजह से ही है। लखनऊ यूनिवर्सिटी की प्रो. ऊषा वाजपेयी ने कहा कि 70 फीसदी आबादी गांव और 30 फीसदी शहर में रहती। मजे की बात यह है कि बिजली की 20 फीसदी खपत गांवों में और 80 फीसदी शहर में होती है। उन्होंने कहा कि अगर हम एक यूनिट बिजली बचाएंगे तो सरकार को तीन यूनिट बिजली कम बनानी



नेशनल सेमिनार में संबोधन करते कुलपति प्रो. जेवी वैशंपायन।

छत्रपति शाहू जी महाराज यूनिवर्सिटी में हुए सेमिनार में बताई गई प्रकाश की उपयोगिता

पड़ेगी। बताया कि फूलों के वेस्ट से भी बिजली बनाए जाने का काम चल रहा है। उन्होंने पंखे और कूलर वाली सोलर कैप के बारे में भी बताया।

कैप के भीतर ही छोटा सा पंखा फिट है, जो धूप से चार्ज होकर चलेगा और हवा देगा। सोकोटो एनर्जी रिसर्च सेंटर नाइजीरिया के पूर्व निदेशक डॉ. सुरेश बाजपेई ने कहा कि सरकार ने सोलर प्लांट को लगाने का लक्ष्य बीस हजार मेगावाट से बढ़ाकर एक लाख मेगावाट कर दिया है, जिसे 2022 तक प्राप्त करना आवश्यक है। सेमिनार में धन्यवाद ज्ञापन कॉलेज के प्रबंधक विनय त्रिवेदी ने किया। संचालन अमित बाजपेई ने किया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. नरेंद्र मोहन, डॉ. देवेश, अमित कुमार, अमित सचान, अमित श्रीवास्तव, डॉ. राजेश द्विवेदी, डॉ. ओमप्रकाश मौजूद थे।

श्री शक्ति डिग्री कालेज में आयोजित हुई दो दिवसीय सेमिनार

कानपुर। श्री शक्ति डिग्री कालेज सांख्यहरी घाटमपुर द्वारा सोपरसेएम विश्वविद्यालय में द.रोलू आफ साइट एप्लाइड साइंटिफिक टेक्नोलॉजीस फॉर रूलर डेवलपमेंट एप्लाइड प्रोब्लेमिंग बेटर लाइफस्टाइल रूलर कम्यूनाइटीस विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का उदघाटन मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर जे.वी. वैशम्पयन ने किया। इस अवसर पर कुलपति सेमिनार की सोर्सिनिस्टर का आम स्वागत विनोचन भी किया। कुलपति ने कहा कि प्रकृत और प्रकाश आधारित तकनीकी का ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर प्रयोग करके गांववासियों के जीवन को सुखद बनाने हेतु देश अर्थ व्यवस्था को सुधारा जा सकता है सेमिनार के मुख्य वक्ता वरिष्ठ भौतिक विज्ञान विद्व. आर्डीनेटर के प्रो. एच.वी. वर्मा ने कहा कि विज्ञान की पढ़ाई पारम्परिक कक्षाओं में संभव नहीं है विज्ञान पर आधारित इस प्रकार के सेमिनार से छात्र छात्राओं के साधन-सुधारी शिक्षकों को भी सीखने का अवसर मिलता है। प्रो. वर्मा ने फिजिक्स के प्रकाश आधारित सिद्धान्तों को आम जीवन की घटनाओं से उदाहरण देकर समझाया। प्रो. वर्मा ने सुबह नाम अकारण का लाल दिखाना पानी को नीला दिखाना चार रंगों को सहायता से करोड़ों अरबों प्रकार के रंगों को बनाने जाने को विज्ञान सिद्धान्त बताया। प्रो. वर्मा ने कहा कि ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से प्रत्यक्ष चिकित्सा कर्षण आसान हो गई है फेको विधि द्वारा किये जाने वाला आंख का आपरेशन लेंजर तकनीकी के प्रयोग से संभव हुआ। प्रकृत तकनीकी के प्रयोग से बड़े बड़े बोधों को बनाने से लेकर इस्पात को मोटी मोटी चादरों को काटना जा सकता है। प्रो. वर्मा ने कहा कि प्रकृत आधारित तकनीकी का प्रयोग करके ग्रामीण क्षेत्र को ऊर्जा का समाधान भी किया ही जा सकता है प्रो. वर्मा ने कहा कि प्रकृत आधारित तकनीकी का प्रयोग करके ग्रामीण क्षेत्र को ऊर्जा का समाधान तो किया ही जा सकता है बल्कि युवाओं



दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का शुभारम्भ मुख्य अतिथि का स्मृति चिह्न बेट कर किया स्वागत

को रोजगार के अवसर भी मुहैया कराए जा सकते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय में रिसेल्व एनर्जी कोऑर्डिनेटर प्रो. तथा बाजपेई ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में ऊर्जा का उपयोग बौद्ध प्रविशत होता है। जबकि शहरी में यह अस्सी प्रतिशत है। सेमिनार का संचालन अभिमत बाजपेई संयुक्त सचिव सेमिनार ने किया। स्वागत

माहविद्यालय में आर्डीनेटी प्रभारी विवेक त्रिवेदी और धन्यवाद कालेज प्रबन्धक विनय त्रिवेदी ने दिया। इस अवसर पर प्राचार्य डा. नरेन्द्र मोहन डा. देवेश अमित कुमार अमित सचिव अमित श्रीवास्तव डा. राजेश द्विवेदी डा. ओमप्रकाश आनन्द प्रो. अरविन्द दीक्षित आदि शिक्षाविद उपस्थित रहे।

पुर महानगर

शिक्षा संबंधी नम्बर
हरिद्वार-कानपुर वि.वि. 2570663, 301
सी.एस.टी. 2534156, 63
विद्या विद्यालय विद्युत् 2291889
जॉर्नल-टी. 2597258
एच.बी.टी.जॉर्नल 2542849

आईआईटी अल्ट्रावॉयलेट रेज का गाँवों के विकास में प्रयोग

कानपुर। ग्राम गति राहु जी महाराज विश्वविद्यालय में होल ऑफ साइड एण्ड लाइव फेड टेकनोलॉजी का करल टेकनोलॉजी केन्द्र का कार्य प्रारंभ किया गया। साइड एण्ड लाइव फेड टेकनोलॉजी का प्रयोग गाँवों के विकास में किया जा सकता है। ग्राम गति राहु जी महाराज विश्वविद्यालय में होल ऑफ साइड एण्ड लाइव फेड टेकनोलॉजी का प्रयोग गाँवों के विकास में किया जा सकता है। ग्राम गति राहु जी महाराज विश्वविद्यालय में होल ऑफ साइड एण्ड लाइव फेड टेकनोलॉजी का प्रयोग गाँवों के विकास में किया जा सकता है।



कानपुर में ग्राम गति राहु जी महाराज विश्वविद्यालय में आईआईटी के प्रयोग का प्रदर्शन।

ग्राम गति राहु जी महाराज विश्वविद्यालय में होल ऑफ साइड एण्ड लाइव फेड टेकनोलॉजी का प्रयोग गाँवों के विकास में किया जा सकता है। ग्राम गति राहु जी महाराज विश्वविद्यालय में होल ऑफ साइड एण्ड लाइव फेड टेकनोलॉजी का प्रयोग गाँवों के विकास में किया जा सकता है। ग्राम गति राहु जी महाराज विश्वविद्यालय में होल ऑफ साइड एण्ड लाइव फेड टेकनोलॉजी का प्रयोग गाँवों के विकास में किया जा सकता है।

ग्राम गति राहु जी महाराज विश्वविद्यालय में होल ऑफ साइड एण्ड लाइव फेड टेकनोलॉजी का प्रयोग गाँवों के विकास में किया जा सकता है। ग्राम गति राहु जी महाराज विश्वविद्यालय में होल ऑफ साइड एण्ड लाइव फेड टेकनोलॉजी का प्रयोग गाँवों के विकास में किया जा सकता है। ग्राम गति राहु जी महाराज विश्वविद्यालय में होल ऑफ साइड एण्ड लाइव फेड टेकनोलॉजी का प्रयोग गाँवों के विकास में किया जा सकता है।

Amar Ujala Daily News Paper, Kanpur
15 June 2015

‘नीले प्रकाश से ठीक होता है पीलिया’

कानपुर। गांवों में नवजात की मौत का एक मुख्य कारण पीलिया भी है। शहर में इलाज काफी महंगा है। शिशुओं को अगर नीले प्रकाश (फोटोथेरेपी) के नीचे रखा जाए, तो उससे पीलिया ठीक किया जा सकता है। यह बात श्री शक्ति डिग्री कॉलेज की ओर से छत्रपति शाहू जी महाराज यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के अंतिम दिन मुख्य वक्ता और आईआईटी के प्रो. एसए रामाकृष्णन ने कही। सेमिनार का विषय ‘द रोल ऑफ लाइट एंड लाइट बेस्ड टेक्नोलॉजी फॉर रूरल डेवलपमेंट एंड प्रोवाइडिंग बेटर लाइट टू रूरल कम्युनिटीज’ था। उन्होंने बताया कि आईआईटी कानपुर में 3500 रुपये की एक मशीन तैयार की गई है। इससे पीलिया का अच्छा और सस्ता इलाज हो सकता है। डॉ. राजेश कुमार द्विवेदी ने प्रकाश की लेजर तकनीकी की कृषि और मेडिकल क्षेत्र में उपयोगिता के बारे में बताया। कॉलेज प्रबंधक और उत्तर प्रदेश स्व वित्तपोषित महाविद्यालय एसोसिएशन अध्यक्ष विनय त्रिवेदी ने कहा कि सेमिनार में निकले सुझावों से प्रदेश सरकार को अवगत कराकर इन्हें लागू करने की मांग करेंगे। कार्यक्रम का संचालन अमित बाजपेई ने किया। इस मौके पर डॉ. नरेंद्र मोहन, डॉ. देवेश द्विवेदी, डॉ. एसके शर्मा, डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. बीएन पाल मौजूद रहे।

HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
TUESDAY, JUNE 16, 2015

Soon, floral waste to energise power plants

INNOVATIVE Scientists at various technological institutes around the globe are hard at work on this project

HT Correspondent

htcitykanpur@hindustantimes.com

KANPUR: Flowers are known to have therapeutic value that gives positive energy and if scientists are to be believed the floral waste might soon be used as an alternate source of energy.

"Scientists at various technological institutes around the globe are working on this innovative project. At present garbage is being used for generating power but soon floral waste might become a source for alternate energy," said Dr Suresh Bajpai, former director of Energy Research Centre at Nigeria.

Dr Bajpai was in the city to participate in a two-day seminar on 'the role of light and light based technology for rural development and providing better light to rural community' organised by Shri Shakti degree College at the International auditorium of the CSJMU on Sunday.

He said light has become indispensable for human beings and its importance would grow by leaps and bound in times.

EXPERTSPEAK

- "At present garbage is being used for generating power but soon floral waste might become a source for alternate energy," said Dr Suresh Bajpai, former director of Energy Research Centre at Nigeria.
- Dr Bajpai was in the city to participate in a two-day seminar on 'the role of light and light based technology for rural development and providing better light to rural community' organised by Shri Shakti degree College.



He said the government has fixed a target of setting up solar power plants to generate a minimum of 1 lakh MW power to meet the future demand of the country. The target was to be achieved by 2022, he said.

He also spoke about working of solar cap that would help to run electric fans and coolers.

He said most of the major operations were being done with the help of light like the operations with laser light rays and

even cutting iron sheets with the help of light.

During the event, senior professor of the Indian Institute of Technology (IIT-K) Dr HC Varma said light was responsible for creating different colours in the sky and formation of rainbow.

He said the time was not far when cutting and welding of thick iron sheets for constructing buildings and bridges would be done with the help of light alone.